

प्रथम अध्याय :

===== :

1 से 30

वाक्यावधारणाएँ :

क० वाक्य के सम्बन्ध में भारतीय विद्वानों की धारणाएँ

- 1- कात्यायन की धारणा, 2- पाणिनि की धारणा, 3- पतञ्जलि की धारणा ।

ख० वाक्य के सम्बन्ध में पश्चिमी विद्वानों की धारणाएँ :

- 1- ब्लूमफील्ड की धारणा,
- 2- हाकेट की धारणा,
- 3- नोमिचोमस्की की धारणा ।

द्वितीय अध्याय :

=====

31 से 113

वाक्य के महत्वपूर्ण तत्त्व :

क० संरचना के पक्ष —

- 1- आंतरिक संरचना — एकार्थक, अनेकार्थक, शाब्द संकष्ट, समरूपी शाब्द ।
- 2- बाह्य संरचना — शाब्द, पद, पदबन्ध, उपवाक्य, अन्विति, शाब्दक्रम ।
- 3- वाक्यों के विभिन्न प्रकार — सरल, संयुक्त मिश्रित आदि ।

ख० प्रयोजन —

- 1- स्वीकृतिपरक वाक्य, 2- प्रश्न वाक्य,

तृतीय अध्याय :

114 से 181

कश्मीरी वाक्य के महत्वपूर्ण तत्त्व :

क॥ कश्मीरी वाक्य की आन्तरिक संरचना :-

1- एकार्थक, 2- अनेकार्थक, 3- समस्यी, 4-शाब्द संकर

ख॥ कश्मीरी वाक्य की बाह्य संरचना :-

1- पद, 2- पदबन्ध, 3- उपवाक्य, 4- अन्विति, 5- पदक्रम ।

ग॥ कश्मीरी वाक्यों के विभिन्न प्रकार :-

1- सरल, संयुक्त, 3- मिश्रित

घ॥ कश्मीरी के स्वीकृति पर वाक्य,

कश्मीरी के निषेधात्मक वाक्य,

कश्मीरी के प्रश्न वाक्य,

कश्मीरी के आज्ञार्थक वाक्य, आदि ।

हिन्दी वाक्य के महत्वपूर्ण तत्त्व :

क॥ हिन्दी वाक्य की आन्तरिक संरचना :

1- एकार्थक, 2- अनेकार्थक, 3- समस्यी, 4- शाब्द संकर

ख॥ हिन्दी वाक्य की बाह्य संरचना :-

1- पद, 2- पदबन्ध, 3- उपवाक्य, 4- अन्विति, 5- पदक्रम

ग॥ हिन्दी वाक्यों के विभिन्न प्रकार :-

1- सरल, संयुक्त, 3- मिश्रित

